(सरकारी गजट उत्तर प्रदेश भाग-4 में प्रकाशित)

*सचिव, माध्यमिक शिक्षा परिषद्, उ०प्र०, प्रयागराज की विज्ञप्ति संख्या परिषद्–**9/947**,*
*के सातत्य में **शैक्षिक सत्र 2020-21** के लिए स्वीकृत नवीनतम पाठ्यक्रम पर*
आधारित एकमात्र पाठ्य-पुस्तक

संस्कृत

कक्षा-10

सम्पादक

डॉ० रमेश कुमार उपाध्याय
एम०ए० (हिन्दी, संस्कृत), पी-एच०डी०
भूतपूर्व साहित्य विभागाध्यक्ष,
हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयागराज

डॉ०योगेन्द्र नारायण पाण्डेय
एम०ए० (हिन्दी, संस्कृत),
बी० एड०, पी-एच०डी०
स्नातकोत्तर (शिक्षा प्रशासन) वरिष्ठ प्रवक्ता
महगाँव इण्टर कॉलेज
महगाँव, कौशाम्बी

माध्यमिक शिक्षा परिषद्, उ० प्र०, प्रयागराज द्वारा
स्वीकृत पाठ्यक्रम पर आधारित

संस्करण 2020-21

प्राक्कथन

माध्यमिक शिक्षा परिषद्, उत्तर प्रदेश, प्रयागराज द्वारा निर्धारित नवीनतम पाठ्यक्रमानुसार **कक्षा 10** के विद्यार्थियों के लिए संस्कृत विषय की अनिवार्य इस पाठ्य-पुस्तक में **'संस्कृत गद्य', 'संस्कृत पद्य', 'संस्कृत कथा नाटक'** एवं **'संस्कृत व्याकरण'** का समावेश किया गया है। इसे तैयार करते समय हमारा ध्यान सबसे अधिक इस ओर रहा है कि पाठ्य-सामग्री विद्यार्थियों के मानसिक स्तर के अनुकूल, सुरुचिपूर्ण एवं प्रेरक हो। इस पाठ्य-पुस्तक में कई ऐसे महत्त्वपूर्ण पाठों का संकलन किया गया है, जो विद्यार्थियों के चरित्र-निर्माण में सहायक सिद्ध होंगे। यथा–'नैतिक मूल्यानि', 'संस्कृत भाषायाः गौरवम्', 'जीवनं निहितं वने' आदि पाठ अत्यन्त ज्ञानवर्धक हैं। इसके अतिरिक्त 'लक्ष्य-वेध-परीक्षा' पाठ चित्त की एकाग्रता की आवश्यकता को प्रस्तुत करता है। 'क्षान्ति-सौख्यम्' पाठ क्षमा का महत्त्व बताता है तथा 'विद्यार्थिचर्या', 'गीतामृतम्' आदि पाठ छात्रों को सत्यनिष्ठा, कर्त्तव्यपरायणता, आदर्श जीवन-शैली अपनाने की प्रेरणा प्रदान करते हैं। 'धैर्यधनाः हि साधवः', 'भोजस्य शल्य चिकित्सा' आदि प्रेरणादायक पाठ हैं। संस्कृत व्याकरण से सम्बन्धित सम्पूर्ण सामग्री का भी समावेश किया गया है। इसके अतिरिक्त प्रत्येक पाठ के अन्त में आन्तरिक मूल्यांकन पर आधारित प्रश्न भी दिये गये हैं। इन पाठों के अध्ययन से विद्यार्थियों को नयी दिशा प्राप्त होगी, ऐसा हमारा प्रयास एवं विश्वास है।

यद्यपि पाठ्य-पुस्तक में सभी आवश्यक तथ्यों को समाहित करने का प्रयास किया गया है, तथापि रचनात्मक सुझावों के प्रति हम आपके आभारी होंगे।

● **सम्पादक एवं प्रकाशक**

विषय-सूची

खण्ड-क : गद्य, पद्य, आशुपाठ

संस्कृत गद्य भारती

- संस्कृत साहित्य पर एक दृष्टि 6
- वैदिक मङ्लाचरणम् 8

प्रथमः पाठः – कविकुलगुरुः कालिदासः 9
द्वितीयः पाठः – उद्भिज्ज-परिषद् 13
तृतीयः पाठः – नैतिकमूल्यानि 16
चतुर्थः पाठः – विश्वकविः रवीन्द्रः 19
पञ्चमः पाठः – कार्यं वा साधयेयम् देहं वा पातयेयम् 22
षष्ठः पाठः – आदिशंकराचार्यः 24
सप्तमः पाठः – संस्कृतभाषायाः गौरवम् 28
अष्टमः पाठः – मदनमोहन मालवीयः 31
नवमः पाठः – जीवनं निहितं वने 34
दशमः पाठः – लोकमान्यः तिलकः 37
एकादशः पाठः – गुरुनानकदेवः 40
द्वादशः पाठः – दीनबन्धुः ज्योतिबाफुले 44

संस्कृत पद्य पीयूषम्

प्रथमः पाठः – लक्ष्य-वेध-परीक्षा 47
द्वितीयः पाठः – वृक्षाणां चेतनत्वम् 50
तृतीयः पाठः – सूक्ति-सुधा 52
चतुर्थः पाठः – क्षान्ति-सौख्यम् 54
पञ्चमः पाठः – विद्यार्थिचर्या 56
षष्ठः पाठः – गीतामृतम् 58
सप्तमः पाठः – जीव्याद् भारतवर्षम् 60
- **परिशिष्ट** – (अन्वय एवं टिप्पणियाँ) 62

संस्कृत कथा नाटक कौमुदी

प्रथमः पाठः	–	महात्मनः संस्मरणानि	.....	**72**
द्वितीयः पाठः	–	कारुणिको जीमूतवाहनः	.....	**75**
तृतीयः पाठः	–	धैर्यधनाः हि साधवः	.....	**80**
चतुर्थः पाठः	–	यौतुकः पापसञ्चयः	.....	**83**
पञ्चमः पाठः	–	भोजस्य शल्यचिकित्सा	.....	**86**
षष्ठः पाठः	–	ज्ञानं पूततरं सदा	.....	**88**
सप्तमः पाठः	–	वयं भारतीयाः	.....	**91**
परिशिष्टः	–	टिप्पणियाँ	.....	**95**

खण्ड-ख : व्याकरण, अनुवाद एवं रचना

1.	प्रत्याहारों का सामान्य परिचय एवं वर्णों का उच्चारण-स्थान	.....	**97**
2.	सन्धि-ज्ञान (हल् संधि, विसर्ग संधि)	.....	**103**
3.	समास-परिचय (अव्ययीभाव, द्विगु, बहुव्रीहि)	.....	**110**
4.	कारक एवं विभक्ति-परिचय	.....	**113**
5.	वाच्य-परिवर्तन	.....	**121**
6.	अनुवाद	.....	**126**
7.	प्रत्यय (क्त, क्तवतु, क्तिन्, क्त्वा, ल्यप्, शतृ, शानच्, तुमुन्, मतुप्, ठक, त्वा, तल, टाप्, अनीयर, इन्)	.....	**144**
8.	शब्द-रूप	.....	**154**
9.	धातु-रूप	.....	**164**
10.	संस्कृत पदों का वाक्यों में प्रयोग	.....	**178**
11.	संस्कृत वाक्य-शुद्धि	.....	**184**
12.	संस्कृत-निबन्ध (जनसंख्या, पर्यावरण, स्वास्थ्य शिक्षा एवं यातायात के नियम)	.....	**186**